PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

जापान में AMRAAM मिसाइल असेंबली-निरीक्षण सुविधा: 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' के तहत जापान-अमेरिका सहमति

समाचार-संदर्भ: 28 अक्टूबर 2026 (जापान रक्षा मंत्रालय संवाददाता सम्मेलन, सेबू, फिलीपींस)

प्रकाशन: 31 अक्टूबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-II (अंतरराष्ट्रीय संबंध) व GS-III (सुरक्षा): रक्षा-औद्योगिक सहयोग, गठबंधन, इंडो-प्रशांत

प्रिलिम्स: AMRAAM; 'ऑपरेशन सुपरचार्ज'; SM-3 ब्लॉक IIA; F-35; रेथियॉन/RTX



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

जापान के रक्षा मंत्री **शिंजिरो कोइज़ुमी** ने 28 अक्टूबर 2026 को फिलीपींस के सेबू में आसियान (ASEAN) रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के इतर हुए विशेष संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि जापान और अमेरिका ने **AMRAAM (Advanced Medium-Range Air-to-Air Missile - उन्नत मध्यम-दूरी की वायु-से-वायु मिसाइल)** के जापान में **अंतिम असेंबली और निरीक्षण की सुविधा** स्थापित करने पर सहमति पक्की कर ली है। जापान के रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर यह संवाददाता सम्मेलन (28 अक्टूबर 2026, सेबू) दर्ज है; कोइज़ुमी की टिप्पणियों का विवरण मंत्रालय द्वारा प्रकाशित वक्तव्य के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस, ब्रेकिंग डिफेंस समेत कई अंतरराष्ट्रीय रक्षा-विशेषज्ञ प्रकाशनों ने 28-29 अक्टूबर को प्रकाशित किया। इसी घोषणा में **SM-3 ब्लॉक IIA** मिसाइल के उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी साझा करने की सहमति भी शामिल है।

PCSMANTRA.COM

'ऑपरेशन सुपरचार्ज' क्या है

कोइज़ुमी के अनुसार दोनों समझौते **'ऑपरेशन सुपरचार्ज' (Operation Supercharge)** नामक संयुक्त जापान-अमेरिका पहल का हिस्सा हैं, जो रक्षा प्रौद्योगिकी और रक्षा-उद्योग सहयोग को गति देने के लिए बनाई गई है। मंत्रालय के प्रकाशित वक्तव्य के अनुसार यह ढांचा स्वयं कोइज़ुमी ने मई 2026 में सिंगापुर के **शांग्री-ला संवाद** में प्रस्तावित किया था। कोइज़ुमी ने

समझौते को "ऐतिहासिक/अभूतपूर्व सहमति" बताया, जिससे दोनों देशों को जरूरी उपकरणों की आपूर्ति सुनिश्चित होगी और जापान का रक्षा-औद्योगिक आधार मजबूत होगा।

दोनों समझौतों की मुख्य बातें

AMRAAM असेंबली सुविधा: सहमति के तहत जापान में AMRAAM का अंतिम असेंबली और निरीक्षण होगा। ब्रेकिंग डिफेंस की रिपोर्ट के अनुसार कोइज़ुमी ने यह नहीं बताया कि कौन-सी जापानी कंपनी मिसाइल जोड़ेगी, न ही सुविधा शुरू होने की समय-सीमा या उत्पादन-क्षमता का खुलासा किया। AMRAAM अमेरिकी कंपनी RTX की सहायक **रेथियॉन (Raytheon)** द्वारा निर्मित मिसाइल है, जिसे लड़ाकू विमानों और धरती-आधारित प्रक्षेपक दोनों से दागा जा सकता है; कोइज़ुमी ने इसे **F-35 लड़ाकू विमानों के लिए "अनिवार्य"** बताया। यूक्रेन और मध्य पूर्व के संघर्षों के कारण इस मिसाइल की मांग अत्यधिक है; सितंबर 2026 में अमेरिकी रक्षा विभाग ने रेथियॉन को पांच वर्ष की अवधि में **20 अरब डॉलर से अधिक** का ठेका दिया था, जिससे उत्पादन लगभग दोगुना करने की योजना है।

SM-3 ब्लॉक IIA: यह जापान-अमेरिका का संयुक्त कार्यक्रम है - मुख्य रूप से युद्धपोतों से दागी जाने वाली बैलिस्टिक-मिसाइल रोधी इंटरसेप्टर मिसाइल। नई सहमति के तहत उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी साझा की जाएगी; कोइज़ुमी ने उत्पादन-वृद्धि का अनुमानित स्तर नहीं बताया। ध्यान दें: इस समझौते में जापान में SM-3 की असेंबली-सुविधा शामिल नहीं है - यह केवल तकनीकी जानकारी-साझाकरण है।

पृष्ठभूमि और महत्व

यह सहमति जापान के ऐतिहासिक रक्षा-व्यय विस्तार और जापान-अमेरिका गठबंधन के गहरीकरण के दौर में आई है। पेंटागन द्वारा प्रकाशित हेगसेथ-कोइज़ुमी वार्ता के विवरण में इन समझौतों का सीधे उल्लेख नहीं है, किंतु इसमें अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जापान के रक्षा-औद्योगिक क्षमता-विस्तार के प्रयासों का स्वागत किया और दोनों नेताओं ने निकट समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के लिए प्रासंगिक पहलू यह भी है कि उसी सेबू मंच पर **जापान-भारत रक्षा मंत्रियों की बैठक** भी हुई (जापान रक्षा मंत्रालय के रिकॉर्ड में दर्ज)।

आगे की राह

घोषणा के बाद अब कार्यान्वयन पर नजर होगी। पहला, AMRAAM सुविधा के ठोस विवरण: जापानी औद्योगिक भागीदार का चुनाव, सुविधा की समय-सीमा और उत्पादन-क्षमता की घोषणा अभी बाकी है, और यही तय करेगा कि यह केंद्र कितनी जल्दी वास्तविक उत्पादन में उतरता है। दूसरा, 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' का विस्तार: SM-3 ब्लॉक IIA की तकनीकी जानकारी-साझाकरण को वास्तविक उत्पादन-वृद्धि में बदलना और इस ढांचे को अन्य गोला-बारूद या प्लेटफॉर्म तक ले जाना आगे की परीक्षा-क्षेत्र हैं। भारत के लिए सीधा सबक यह है कि रक्षा-साझेदारियों में सह-उत्पादन और तकनीक-हस्तांतरण की गहराई ही भविष्य की वार्ता-क्षमता तय करेगी।

PCSMANTRA.COM

परीक्षा दृष्टिकोण

प्रिलिम्स-बिंदु: AMRAAM = Advanced Medium-Range Air-to-Air Missile, निर्माता रेथियॉन (RTX की सहायक); जापान में अंतिम असेंबली-निरीक्षण सुविधा की सहमति (28 अक्टूबर 2026, सेबू); 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' = जापान-अमेरिका रक्षा-प्रौद्योगिकी सहयोग ढांचा (शांग्री-ला संवाद, मई 2026 में प्रस्तावित); SM-3 ब्लॉक IIA = जापान-अमेरिका संयुक्त बैलिस्टिक-मिसाइल रोधी कार्यक्रम, नई सहमति केवल तकनीकी जानकारी-साझाकरण की; F-35 के लिए AMRAAM अनिवार्य मिसाइल; शांग्री-ला संवाद का आयोजन स्थल सिंगापुर।

मुख्य परीक्षा: GS-II (अंतरराष्ट्रीय संबंध) और GS-III (आंतरिक सुरक्षा/रक्षा): गठबंधन-राजनीति में रक्षा-औद्योगिक सहयोग की नई भूमिका; हथियार-उत्पादन की वैश्विक आपूर्ति-शृंखला और सामरिक स्वावलंबन; इंडो-प्रशांत में जापान की बदलती सुरक्षा-भूमिका और भारत-जापान रक्षा-सहयोग के अवसर।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. “जापान में AMRAAM की अंतिम असेंबली-सुविधा की सहमति दर्शाती है कि आधुनिक गठबंधन अब केवल सैन्य-तैनाती नहीं, रक्षा-उत्पादन के सह-भागीदार भी हैं।” इस कथन पर टिप्पणी कीजिए और भारत के लिए इसके निहितार्थ बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए। 10 अंक)

भूमिका में

28 अक्टूबर 2026 की जापान-अमेरिका सहमति से प्रारंभ करें: जापान में AMRAAM का अंतिम असेंबली-निरीक्षण केंद्र और SM-3 ब्लॉक IIA हेतु तकनीकी जानकारी-साझाकरण - दोनों 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' के तहत।

मुख्य भाग में

बताएँ कि पारंपरिक गठबंधन सैन्य-तैनाती और अभ्यास तक सीमित रहे, जबकि यह समझौता हथियार-उत्पादन को गठबंधन का क्षेत्र बनाता है: आपूर्ति-सुरक्षा (यूक्रेन/मध्य पूर्व में मांग), जापान के रक्षा-औद्योगिक आधार का सुदृढ़ीकरण, अमेरिकी उत्पादन-क्षमता का वितरण। भारत के लिए निहितार्थ लिखें: आत्मनिर्भर रक्षा-उत्पादन में सह-उत्पादन मॉडल की प्रासंगिकता, भारत-जापान रक्षा-सहयोग (सेबू में द्विपक्षीय बैठक भी हुई), और इंडो-प्रशांत में प्रौद्योगिकी-साझेदारी के अवसर।

निष्कर्ष में

निष्कर्ष दें कि रक्षा-औद्योगिक सहयोग गठबंधनों की नई मुद्रा बन रहा है; भारत के लिए सीख यह है कि संयुक्त उत्पादन और तकनीक-हस्तांतरण को सामरिक भागीदारी के केंद्र में रखना चाहिए।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. जापान-अमेरिका रक्षा-सहयोग की हालिया घोषणा (28 अक्टूबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: जापान और अमेरिका ने AMRAAM मिसाइल के जापान में अंतिम असेंबली और निरीक्षण की सुविधा स्थापित करने की सहमति की घोषणा की है।

कथन-II: इसी घोषणा में SM-3 ब्लॉक IIA मिसाइल की अंतिम असेंबली भी जापान में करने का समझौता शामिल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है

(c) कथन-I सही नहीं है, किंतु कथन-II सही है

(d) कथन-I और कथन-II दोनों सही नहीं हैं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) कथन-I सही है, किंतु कथन-II सही नहीं है। कोइज़ुमी की घोषणा के अनुसार जापान में AMRAAM की अंतिम असेंबली और निरीक्षण की सुविधा स्थापित की जाएगी (कथन-I सही)। SM-3 ब्लॉक IIA के संदर्भ में सहमति केवल उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी साझा करने की है - जापान में इसकी असेंबली-सुविधा का प्रावधान नहीं (कथन-II गलत)।

प्रश्न 2. AMRAAM और 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. AMRAAM का निर्माण अमेरिकी कंपनी RTX की सहायक रेथियॉन करती है।
2. कोइज़ुमी ने घोषणा के साथ जापानी औद्योगिक भागीदार का नाम और सुविधा की समय-सीमा भी बता दी।
3. 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' ढांचा कोइज़ुमी ने मई 2026 में शांग्री-ला संवाद में प्रस्तावित किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

PCSMANTRA.COM

उत्तर: (c) केवल 1 और 3। AMRAAM RTX की सहायक रेथियॉन द्वारा निर्मित है (कथन 1 सही)। ब्रेकिंग डिफेंस की रिपोर्ट के अनुसार कोइज़ुमी ने न तो जापानी औद्योगिक भागीदार का नाम बताया, न समय-सीमा या उत्पादन-क्षमता (कथन 2 गलत)। मंत्रालय के प्रकाशित वक्तव्य के अनुसार 'ऑपरेशन सुपरचार्ज' ढांचा कोइज़ुमी ने मई 2026 में शांग्री-ला संवाद में प्रस्तावित किया था (कथन 3 सही)।

स्रोत

- जापान रक्षा मंत्रालय: रक्षा मंत्री विशेष संवाददाता सम्मेलन का आधिकारिक रिकॉर्ड (28 अक्टूबर 2026)
- एसोसिएटेड प्रेस: आसियान रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन और जापान-अमेरिका वार्ता की रिपोर्ट (अक्टूबर 2026)
- ब्रेकिंग डिफेंस: AMRAAM असेंबली और SM-3 उत्पादन-वृद्धि समझौतों का विश्लेषण (29 अक्टूबर 2026)

PCSMANTRA.COM